प्रेस विज्ञप्ति

भारत ऊर्जा सप्ताह 2024: इरेडा के सीएमडी ने पारदर्शी और डिजिटलीकृत नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी प्रणाली का आह्वान किया

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने 7 फरवरी को गोवा में "भारत ऊर्जा सप्ताह 2024" में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की । उन्होंने "वित्तीय संस्थानों के द्वारा निम्न-कार्बन क्षेत्र पर बढ़ते फोकस और ऊर्जा मार्गों पर इसके प्रभाव" के बारे में एक नेतृत्व पैनल चर्चा के दौरान बात की।

इस चर्चा के दौरान, श्री दास ने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार से इरेडा ने 36 वर्षों से नवीकरणीय ऊर्जा का समर्थन किया है। उन्होंने मौजूदा स्थिति की तुलना 15 वर्ष पहले उस समय से की जब सौर ऊर्जा उभर रही थी। उन्हें विश्वास है कि इरेडा नवीन तकनीकों को बढ़ाने में मदद कर सकता है, जैसेकि उसने सौर, पवन और जल विद्युत के बारे में किया है।

इरेडा के सीएमडी ने ऊर्जा सुरक्षा और सभी तक पहुंच दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एक संतुलित ऊर्जा परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। इसके परिणामस्वरूप, नवीकरणीय ऊर्जा देश की क्षमता वृद्धि पर हावी हो जाएगी, हालांकि ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों की भी आवश्यकता होगी।

इस चर्चा में इस बात पर भी गौर किया गया कि कैसे मजबूत कॉर्पोरेट सुशासन से फंड के लिए बेहतर पहुंच हो सकती है। श्री दास ने बताया कि कैसे सुशासन बेहतर वित्तपोषण शर्तों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है, जिससे कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करना आसान हो जाता है।

इसके समापन में, इरेडा के सीएमडी ने नवीकरणीय ऊर्जा विकास के लिए पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और एक सहायक व्यावसाय माहौल के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उनका मानना है कि इन सिद्धांतों को अपनाने से न केवल नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को निरंतर बढ़ने में मदद मिलेगी बल्कि इससे निवेश और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।